हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में महिला कर्मचारियों हेतु प्रश्न मंच का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान, संस्थान, शिमला द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला (कार्यालय-2) के तत्वाधान में हिन्दी राजभाषा के प्रगामी प्रयोग एवं प्रचार प्रसार के लिए आज दिनांक 26 फरवरी 2019 महिला कर्मचारियों हेतु प्रश्न मंच का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की 8 महिला कर्मियों (चार टीमों) ने भाग लिया I इस प्रश्न मंच प्रतियोगिता का संचालन डॉ. स्वर्ण लता, वैज्ञानिक-सी, श्रीमती सविता कुमारी बनियाल, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं श्री दिनेश धीमान द्वारा किया गया I

इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए संस्थान के हिंदी अधिकारी, श्री संजीव कुमार

ने कहा कि किसी भी स्वाधीन देश के लिए, जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वही उसकी राजभाषा का है । प्रजातांत्रिक देश में जनता और सरकार के बीच भाषा की दीवार नही होनी चाहिए और शासन का काम जनता की भाषा में किया जाना चाहिए । भारत सरकार ने हिन्दी को संघ की राजभाषा 1950 में ही घोषित कर दिया गया था, किंतु केंद्र सरकार के कामों में हिन्दी को अंग्रेजी का स्थान देने के लिए गंभीरता से प्रयास केंद्र सरकार द्वारा 1960 और विशेषकर राजभाषा अधिनियम 1963 के पास होने के बाद से प्रारंभ किया गया । एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है । बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है । हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है तथा भारत

सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए बहुत से प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला (कार्यालय-2) के तत्वाधान में आज इस संस्थान के महिला कर्मचारियों हेतु प्रश्न मंच का आयोजन किया जा रहा है तथा उन्होने यह आशा व्यक्त की कि इस तरह के आयोजन से महिलाओं में परस्पर प्रतिस्पर्धा एवं समाजस्य बना रहेगा।

इस प्रतियोगिता में हिन्दी भाषा एवं सामान्य विज्ञान से संबन्धित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में कुमारी मोनिका एवं अन्नू की टीम ने प्रथम, प्रियंका एवं कामाकक्षी, शिवानी एवं शीतल की टीम ने द्वितीय तथा रजनी एवं ईशा की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता की विजेता टीम दिनांक 8 मार्च 2019 को महिला दिवस के अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला (कार्यालय-2) के मुख्यालय सतलुज जल विद्युत् निगम लिमिटेड, शिमला में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में भाग लेने जाएगी एवं विजेता प्रतिभागियों को वार्षिक समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में श्री दिनेश धीमान ने संस्थान के निदेशक, डॉ. वी.पी. तिवारी, श्री संजीव कुमार, हिंदी अधिकारी तथा डॉ. स्वर्ण लता, वैज्ञानिक व सविता कुमारी बनियाल, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी तथा प्रतिभागियों का इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए धन्यवाद किया उन्होने यह आशा व्यक्त की कि इस तरह के आयोजनों में भविष्य में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे।

कार्यक्रम की झलकियाँ

<table>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td>टीम-1 (शिवानी तथा शीतल)</td><td>टीम-2 (मोनिका तथा अन्नू)</td></tr>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td>टीम-3 (रजनी तथा ईशा)</td><td>टीम-4 (प्रियंका तथा कामाकक्षी)</td></tr>
<tr><td colspan="2">
</td></tr>
<tr><td colspan="2">प्रश्नोत्तरी सत्र</td></tr>
</table>

मीडिया कवरेज

www.himachaldastak.com

शिमला, बुधवार 27 फरवरी, 2019

एचएफआरआई में हिंदी प्रश्न मंच

8 मार्च को एसजेवीएनएल में होगा ग्रैंड फिनाले

हिमावत दस्तक ब्यूरो। शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान, संस्थान, शिमला द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला के तत्वावधान में मंगलवार महिला कर्मचारियों के लिए प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए संस्थान के हिंदी अधिकारी, संजीव कुमार ने कहा कि किसी भी स्वाधीन देश के लिए, जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वही राजभाषा का है। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक और परिचायक भी है। इसी कड़ी में महिला

◆ प्रश्न मंच में संस्थान की आठ महिला कर्मियों ने लिया भाग

कर्मचारियों के लिए प्रश्न मंच का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान की 8 महिला कर्मियों ने भाग लिया। इस प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. स्वर्ण लता, वैज्ञानिक तथा सविता कुमारी खनियाल, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में कुमारी मोनिका तथा अन्नू की टीम ने प्रथम, प्रियंका तथा कामाक्षी तथा शीतल तथा शिवानी की टीम ने द्वितीय तथा रजनी तथा ईशा की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता की विजेता को दिनांक 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर एसजेवीएनएल, शिमला में प्रश्न मंच का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जाएगा, जिसमें नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला के सभी सदस्य कार्यालयों के विजेता प्रतिभागी भाग लेंगे विजेताओं को पारितोषिक समारोह में पुरस्कृत भी किया जाएगा। इस अवसर पर दिनेश धीमान ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा कार्यक्रम के अंत में उन्होंने संस्थान के निदेशक, डॉ. वीणा तिवारी, संजीव कुमार, हिंदी अधिकारी तथा डॉ. स्वर्ण लता व सविता कुमार खनियाल का कार्यक्रम के आयोजक तथा प्रतिभागियों का इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए धन्यवाद किया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में कुमारी मोनिका तथा अन्नू की टीम अव्वल

शिमला, 26 फरवरी (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ.आर.आई.) द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान से महिला कर्मचारियों के लिए प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में कुमारी मोनिका तथा अन्नू की टीम ने प्रथम, प्रियंका तथा कामाक्षी तथा शीतल तथा शिवानी की टीम ने द्वितीय तथा रजनी तथा ईशा की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता की विजेता को 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर एस.जे.वी.एन. मुख्यालय पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए संस्थान के हिन्दी अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि किसी भी स्वाधीन देश के लिए जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वही उसकी राजभाषा का है।

पंजाब केसरी ई-पेपर

Wed, 27 February 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में महिला कर्मचारियों हेतु प्रश्न मंच का आयोजन

शिमला, 26 फरवरी (अ.स.) : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति शिमला (कार्यालय-2) के तत्वाधान में मंगलवार को महिला कर्मचारियों हेतु प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए संस्थान के हिंदी अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि किसी भी स्वाधीन देश के लिए जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वही उसकी राजभाषा का है। प्रजातांत्रिक देश में जनता और सरकार के बीच भाषा की दीवार नहीं होनी चाहिए और शासन का काम जनता की भाषा में किया जाना चाहिए। भारत सरकार ने हिन्दी को संघ की राजभाषा 1950 में ही घोषित कर दिया गया था, किंतु केंद्र सरकार के कामों में हिन्दी को अंग्रेजी का स्थान देने के लिए गंभीरता से प्रयास केंद्र सरकार द्वारा 1960 और विशेषकर राजभाषा अधिनियम 1963 के पास होने के बाद से प्रारंभ किया गया। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवत: सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है।

कहा : प्रजातांत्रिक देश में जनता और सरकार के बीच भाषा की दीवार नहीं होनी चाहिए

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
27-Feb-2019
Page: 15
http://www.ajitsamachar.com/20190227/8/15/1_1.cms